Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

उत्तराखंड में मौसम का बदला हुआ है मिजाज

मौसम

केदारनाथ समेत चारधाम में बर्फबारी, निचले स्थानों में हुई बारिश

संवाददाता

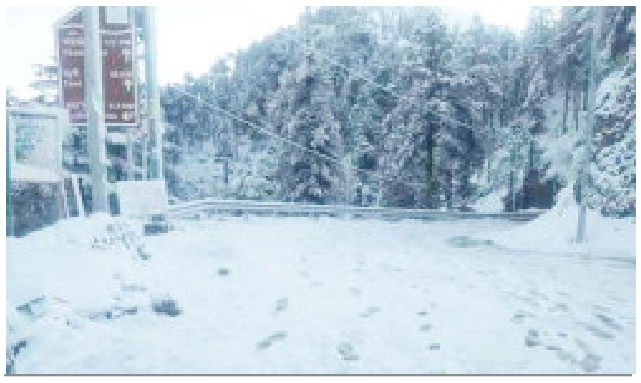

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। चोटियों पर हिमपात हुआ, जबकि निचले इलाकों में हल्की बारिश हुई। मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क बना रहा, लेकिन ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी के चलते कुछ स्थानों पर मार्ग अवरुद्ध हैं। वहीं, बदरीनाथ हाईवे हनुमानचट्टी के पास बंद है। शनिवार सुबह देहरादून समेत कई जिलो में हल्की बारिश हो रही है। जिससे एक बार फिर ठंड लौटकर आ गई हैं।

केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री समेत ऊपरी क्षेत्रों में बर्फबारीः रुद्रप्रयाग में केदारनाथ और उत्घ्तरकाशी के ऊपरी क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। वहीं निचले क्षेत्रों में भी बीती रात से रुक रुककर बारिश हो रही है। जिससे फिर से ठंड काफी बढ़ गई है। हर्षिल घाटी सहित यमुनोत्री धाम के शीतकालीन पड़ाव खरसाली में भी बर्फबारी हो रही है। बीते तीन दिनों से जनपद में बारिश और बर्फबारी का सिलसिला जारी है। निचले क्षेत्रों में रुक रुककर बारिश हो रही है। वहीं, गंगोत्री, यमुनोत्री, जानकीचट्टी, हर्षिल, सुक्की टाप, मुखबा, धराली, झाला सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों पर जमकर बर्फबारी हुई है। शनिवार को भी हर्षिल घाटी में बर्फबारी जारी है। हर्षिल जनपद का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। हर्षिल में बर्फबारी के बाद पर्यटकों की आवाजाही भी बढ़ जाती है।

जौनसार-बावर की ऊंची चोटियों पर हुई बर्फबारीः मौसम के एकाएक करवट बदलने से जौनसार–बावर की ऊंची चोटियों पर सीजन का छठवां हिमपात हुआ। क्षेत्र के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी होने से मौसम सुहाना हो गया। बर्फबारी का नजारा देखने कई लोग लोखंडी व कोटी–कनासर पहुंचे। बर्फबारी के चलते क्षेत्र में ठंड बढ़ने से लोग बेहाल है।

कुमाऊं मंडल के अनेक स्थानों पर हो सकती है हल्की से मध्यम बारिश
पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कुमाऊं में भी मौसम में बदलाव की संभावना है। राज्य मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार शनिवार को कुमाऊं मंडल के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही गरज के साथ बौछारें भी पड़ सकती हैं। वहीं, तीन हजार मीटर से ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात होगा। साथ ही कहीं कहीं पर ओलावृष्टि हो सकती है। राज्य मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, आज भी उत्तराखंड के कई जनपदों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार हैं। वहीं, पर्वतीय जिलों में कहीं कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है।

न्यूज डायरी

अवैध खनन को रोकने पर मजदूरों द्वारा वन दरोगा के साथ मारपीट

संवाददाता पुरोला। विकासखंड मोरी के त्यूणी–मोरी मोटरमार्ग पर खूनीगाड़ के पास वन क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन को रोकने पर मजदूरों द्वारा वन दरोगा के साथ मारपीट का मामला सामने आया है । मामले में मोरी पुलिस ने वन दरोगा की तहरीर पर ठेकेदार व उनके मुंसी सहित दो लोगों के विरूद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देर सांय को मोरी–त्यूणी मोटर मार्ग पर देवता रेंज के अंतर्गत वन वीट अधिकारी ने खुनिगाड के पास कुछ मजदूरों को अवैध खनन कर पत्थर निकालते पकड़ा। जिस पर वन दरोगा व काम कर रहे मजदूरों के बीच हुई नोकझोंक मारपीट में बदल गई। वन दरोगा सतबीर चौहान ने मोरी पुलिस को लिखित शिकायत में वन क्षेत्र में अवेध खनन रोकने पर उनके साथ ठेकेदार के मजदूरों द्वारा मारपीट का आरोप लगाया है।

मां शारदा सम्मान से 10 छात्र सम्मानित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ जी दास सेवा मंडल अगस्त्यमुनि ने जनपद स्तर पर हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा की योग्यता सूची में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले 10 छात्रों को मां शारदा सम्मान से सम्मानित किया गया। जबकि केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य विजय नैथानी को श्रीदास सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। चिल्ड्रन एकेडमी इंटरमीडिएट कालेज अगस्त्यमुनि में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं टीएचडीसी के निदेशक डा. मोहन सिंह रावत गांववासी ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गांववासी ने कहा कि छात्रों को मा शारदा सम्मान आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा देगा।

प्रवेश में धांधली का आरोप, अभिभावकों ने किया हंगामा

संवाददाता रुड़की। शहर के एक नामचीन स्कूल पर प्रवेश में धांधली का आरोप लगाते हुए अभिभावकों ने हंगामा किया। अभिभावकों का आरोप था कि स्कूल ने आनलाइन प्रवेश फार्म जमा करने की बात कही। लेकिन, साइट को केवल तीन मिनट के लिए खोला गया। इसके बाद प्रवेश पूरी होने की बात कह दी गई। आरोप है कि स्कूल सिफारिश वाले बच्चों का ही प्रवेश हो रहा है। शहर के सिविल लाइंस में एक नामचीन स्कूल है। यहां प्रवेश को लेकर मारामारी रहती है। नए शिक्षा सत्र के लिए इस स्कूल में एलकेजी के आनलाइन प्रवेश फार्म जमा होने थे। प्रवेश फार्म के लिए शनिवार को साइट खोली जानी थी। साइट खुलते ही अभिभावक बच्चों के प्रवेश फार्म आनलाइन भरने में जुट गए।

यूक्रेन में बेटी से फोन पर भी बातचीत नहीं होने से उन्हें अब डर सताने लगा

संवाददाता अल्मोड़ा। यूक्रेन में फंसी अल्मोड़ा की लिपिका चौहान के स्वजन सरकार की सुस्ती से काफी नाराज हैं। वहीं यूक्रेन में अपनी पुत्री से फोन पर भी बातचीत नहीं होने से उन्हें अब डर सताने लगा है। स्वजनों ने सरकार से जल्द कार्रवाई कर पुत्री को भारत लाने की गुहार लगाई है।

यूक्रेन में रहकर मेडिकल की पढ़ाई कर रही लिपिका चौहान पुत्री मदन सिंह चौहान निवासी खत्याड़ी का संपर्क स्वजनों से टूट गया है। उसकी घर वालों से शुक्रवार से बात नहीं हो पाई है। जिससे स्वजन खासे परेशान है। लिपिका के पिता मदन सिंह चौहान ने बताया कि वह किस हाल में उन्हें पता नहीं है।

लगातार फोन करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह मिल नहीं रहा है। बीते दिनों लिपिका से बात हुई थी। तब उसने बताया कि हालात खराब होते जा रहे हैं। खाने की कमी है। हम कुछ लोग साथ में हैं। मिल बांटकर खाना खा रहे हैं। धमाकों की आवाज उनके घरों तक सुनाई दे रही है। वह युद्ध क्षेत्र के काफी नजदीक हैं। बमों से बचने के लिए वह बंकर में छिपे हैं। मदन सिंह चौहान ने बताया कि सरकार उनके बच्चों को लाने में काफी सुस्ती दिखा रही है। वह अनहोनी की आशंका से खासे चितित है। टीवी में ही वहां के हालात देख रहे हैं। जिससे पूरा परिवार काफी डरा हुआ है।

मामले की जानकारी शासन–प्रशासन को दे दी गई है। अब जो भी करना है वह केंद्र सरकार ने ही करना है।

बारिश से बदला मौसम का मिजाज, ठंड बढ़ी

संवाददाता रुड़की। सुबह हुई बारिश से रुड़की एवं आसपास के क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बदल गया, जिसकी वजह से ठंड बढ़ गई है। दोपहर तक अधिकांश व्यक्ति घरों के अंदर कैद रहे। शुक्रवार देर शाम से ही रुड़की एवं आसपास के क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बदलना शुरू हो गया था। देखते ही देखते बूंदाबंदी शुरू हो गई। शनिवार सुबह के समय सैर के लिए निकलने वाले व्यक्तियों की संख्या बेहद कम रही। वहीं तापमान में भी तीन से चार डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। दोपहर के समय धूप निकलने से कुछ राहत मिली, लेकिन शाम को फिर से घने काले बादल छा गए।

व्यापारियों के हित के लिए किसी सरकार ने कारगर कदम नहीं उठाए

संवाददाता देहरादून। व्यापारियों के हित के लिए अभी तक किसी सरकार ने कारगर कदम नहीं उठाए हैं। जो भी किया, व्यापारियों ने खुद किया है। भाजपा–कांग्रेस ने तो घोषणा पत्र भी नहीं निकाला है। संकल्प पत्र या दृष्टि पत्र के रूप में जो काम करने का दावा किया है, उनमें व्यापारियों के हित में कुछ नहीं है। उम्मीद है कि कोरोना काल में छोटे–बड़े व्यापारियों को हुए नुकसान की नई सरकार भरपाई करेगी। उनको आर्थिक मदद मिलनी चाहिए। कोरोना काल में सबसे अधिक नुकसान व्यापारियों को ही हुआ। होटल, रेस्टोरेंट, दुकानें बंद ही हो गई थी। आर्थिक गतिविधियां ठप होने, लोगों की नौकरियां जाने से लोगों ने बाजार का रुख करना छोड़ ही दिया था। जरूरत के सामान के अलावा लोग अन्य चीज लेने को नहीं निकले।

> *सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की बात करती है। व्यापारी वर्ग सबसे बड़ा वोट बैंक है। कोरोना काल में जिनके व्यापार बंद हुए हैं या नुकसान हुआ है, उनको आर्थिक पैकेज मिले, नई सरकार यह उम्मीद है।*
> — हरीश सिंह सतवाल, व्यापारी।

मोबाइल, आटो मोबाइल, कपड़ा, बर्तन, सजावटी सामान की दुकानें का बिजनेस सबसे अधिक प्रभावित हुआ। कोरोना काल से अब तक मार्केट 40 फीसद भी नहीं उठ पाया है। कई छोटे व्यापारियों ने तो अपनी दुकानें तक बंद कर दी। व्यापारियों को आर्थिक मदद की मांग उठती रही है।

नई सरकार को व्यापारियों को उठाने के लिए आर्थिक पैकेज की घोषणा करनी चाहिए। सरकारें घोषणाएं करती रहती है। जमीनी हकीकत कुछ और है। व्यापारियों के लिए कुछ नहीं हो रहा है। कोरोना के बाद हालात और भी खराब हो गए हैं।

वीर सावरकर जी भारत की एकता और अखंडता के पक्षधरः स्वामी

संवाददाता ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने आज स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ, लेखक, समाज सुधारक, प्रखर चिन्तक, ओजस्वी वक्ता, दूरदर्शी राजनेता और हिंदुत्व दर्शन के सूत्रधार वीर सावरकर की पुण्यतिथि के पावन अवसर पर भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुये कहा कि वीर सावरकर जी ने भारतीयों को स्वतंत्रता आन्दोलनों में सहभाग हेतु उत्साहित करने हेतु अद्भुत योगदान दिया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि वीर सावरकर जी ने हासिये पर खड़े और उपेक्षित लोगों के उत्थान करने के साथ ही उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये अथक प्रयत्न किये। उन्होंने तत्कालीन भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव, छूआछूत को समाप्त करने और जाति के आधार पर व्यवसाय करने की सोच में सुधार करने हेतु अथक प्रयत्न किये। वीर सावरकर जी ने तत्कालिन भारतीयों को भारत के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने के साथ ही उनमें स्वतंत्रता की आस और विश्वास जगाने का प्रयास किया।